Z\_¨weeiYx b¤^i : 2555

**cwi‡ek msiÿY K‡iB Dbœqb Ki‡Z n‡e**

**--- cwi‡ek gš¿x**

XvKv, 1 Avwk¦b (16 †m‡Þ¤^i) :

eZ©gvb miKv‡ii †bZ…‡Z¡ evsjv‡`k Dbœqbkxj †`k wn‡m‡e AvZ¥cÖKvk K‡i‡Q| GB Dbœq‡bi aviv Ae¨vnZ ivL‡Z n‡e, Z‡e †mUv Aek¨B n‡Z n‡e cwi‡ekevÜe| cwi‡e‡ki ÿwZ K‡i †Kv‡bv DbœqbB Avgv‡`i fwelr cÖR‡b¥i Rb¨ g½j n‡e bv| AvR wek¦ I‡Rvb w`em Dcj‡ÿ cwi‡ek Awa`ßi Av‡qvwRZ GK †mwgbv‡i cÖavb AwZw\_i e³‡e¨ Gme K\_v e‡jb cwi‡ek, eb I Rjevqy cwieZ©b welqK gš¿x Avwbmyj Bmjvg gvngy`|

AvMviMuvI eb fe‡b cwi‡ek Awa`ß‡ii gnvcwiPvjK W. myjZvb Avn‡g`-Gi mfvcwZ‡Z¡ AbywôZ Abyôv‡b we‡kl AwZw\_ wn‡m‡e Dcw¯’Z wQ‡jb cwi‡ek, eb I Rjevqy cwieZ©b gš¿Yvj‡qi mwPe Ave`yjøvn Avj †gvnmxb †PŠayix|

I‡Rvb¯Íi iÿvq M„nxZ wf‡qbv Kb‡fbkb I gw›Uªj cÖ‡UvKj‡K wek¦evmxi GKwU mvdj¨ e‡j D‡jøL K‡i gš¿x e‡jb evsjv‡`kI G mvd‡j¨i Mwe©Z Askx`vi| RvwZmsN cwi‡ek Kg©m~wPi wba©vwiZ G eQ‡ii AvšÍR©vwZK I‡Rvb w`e‡mi cÖwZcv`¨ wel‡qi cÖwZ Av‡jvKcvZ K‡i gš¿x e‡jb, I‡Rvb¯Íi msiÿY I m~‡h©i ÿwZKi iwk¥ n‡Z cÖvYgÐj iÿvq G cÖwZcv`¨ LyeB A\_©en| GeQ‡ii cÖwZcv`¨ wQj Keep cool and carry on, the Montreal Protocol- hvi fvevbyev` Kiv n‡q‡Q ÒkxZj \_vKvi cwi‡ekevÜe †KŠkj, †g‡b Pwj gw›Uªj cÖ‡UvKjÓ|

gš¿x Av‡iv e‡jb, cwi‡e‡ki †Kv‡bviKg ÿwZ bv K‡i miKvi GKwU meyR my›`i I †mvbvi evsjv‡`k Movi Rb¨ A½xKvie×| Rjevqy cwieZ©‡bi ÿwZKi cÖfve †gvKv‡ejv, Rxe‰ewPÎ¨ iÿv, I‡Rvb¯Íi iÿv Ges cwi‡ek e¨e¯’vcbv I msiÿ‡Y miKvi `„p cÖwZÁ|

#

cvkv/‡mwjg/‡gvkvid/Rqbyj/2018/ 2200NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2554

**evsjv‡`k fvi‡Zi eÜycÖwZg g‡bvfve‡K AZ¨šÍ ¸iæZ¡ w`‡q \_v‡K**

**--- bvivqY P›`ª P›`**

XvKv, 1 Avwk¦b (16 †m‡Þ¤^i) :

grm¨ I cÖvwYm¤ú` gš¿x bvivqY P›`ª P›` e‡jb, Õ71 mv‡j fviZ evsjv‡`‡ki ¯^vaxbZv AR©‡b me©vZ¥K mn‡hvwMZv Ges Dfq ‡`‡ki wQUgnj, cvwb eÈb, moK c‡\_ UªvbwRU, wfmvi mnRxKiYmn wewfbœ mgm¨v mgvav‡b AZ¨šÍ eÜycÖwZg g‡bvfv‡ei cwiPq w`‡q‡Q| wZwb e‡jb, evsjv‡`k cÖwZ‡ekx ‡`k wn‡m‡e fvi‡Zi eÜyZ¡‡K AZ¨šÍ ¸iæZ¡ w`‡q \_v‡K| AvR Aa©kZ eQi c‡iI †m eÜyZ¡ I fv‡jvevmvi m¤úK© AUzU i‡q‡Q e‡jI wZwb gšÍe¨ K‡ib| wZwb Dfq ‡`‡ki me©vZ¥K Dbœq‡b ci¯ú‡ii mn‡hvwMZv e„w×i Ici †Rvi †`b|

gš¿x AvR XvKvq †K›`ªxq cï nvmcvZv‡ji m‡¤§jb K‡ÿ fviZ miKv‡ii webvg~‡j¨ n¯ÍvšÍiK…Z G·‡i †gwkb Ges Acv‡ikb w\_‡qUv‡ii dzj‡mU hš¿cvwZi AvbyôvwbK †gvoK D‡b¥vPb Abyôv‡b cÖavb AwZw\_i e³„Zvq Gme K\_v e‡jb|

Abyôv‡b Ab¨v‡b¨i g‡a¨ grm¨ mwPe iBQDj Avjg gÐj, fviZxq nvBKwgkbvi nl© ea©b wkÖsjv, cÖvwYm¤ú` Awa`dZ‡ii gnvcwiPvjK nx‡ik iÄb †fŠwgK I cï nvmcvZv‡ji wPd †f‡Uwibvwi Awdmvi dinv` †nv‡mb Gmgq Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

kvn Avjg/‡mwjg/‡gvkvid/Rqbyj/2018/2210NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2553

**21 AvM÷ †MÖ‡bW nvgjvKvix‡`i `„óvšÍg~jK kvw¯Í w`‡Z n‡e**

**-- †bŠcwienb gš¿x**

XvKv, 1 Avwk¦b (16 †m‡Þ¤^i) :

†bŠcwienb gš¿x kvRvnvb Lvb e‡j‡Qb, evsjv‡`‡ki ivR‰bwZK BwZnv‡m 2004 mv‡ji 21 AvM÷ GKwU b„ksmZg nZ¨vh‡Ái fqvj w`b| G w`bwU i³¯œvZ wefxwlKv I Kj¼gq| GUv wQj eviæ` i³gvLv exfrm GK ivR‰bwZK nZ¨vhÁ| wZwb e‡jb, 21 AvM÷ †MÖ‡bW nvgjvKvix‡`i `„óvšÍg~jK kvw¯Í w`‡Z n‡e| hv‡Z evsjvi gvwU‡Z Avi †KD G ai‡bi RNb¨ nZ¨vKvÐ NUv‡Z mvnm bv cvq|

gš¿x AvR XvKvq †m¸bevwMPv¯’ ¯^vaxbZv n‡j GK msev` m‡¤§j‡b Gme K\_v e‡jb|

evsjv‡`k gyw³‡hv×v msm‡`i mv‡eK †Pqvig¨vb †gRi †Rbv‡ij (Ae.) †njvj †gv‡k©` Lvb, exi gyw³‡hv×v BmgZ Kvw`i Mvgv, kÖwgK †bZv †gvt kvnveywÏb, †gvL‡jmyi ingvb, gnwmb f~Bqv, Aveyj †nv‡mb Ges Kvgvj DwÏb Abyôv‡b Dcw¯’Z wQ‡jb|

#

Rvnv½xi/†mwjg/‡gvkvid/Rqbyj/2018/2135 NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2552

**wkï GKv‡Wgx AvBb kxNªB msm‡` DÌvwcZ n‡e**

**--- wkï welqK cÖwZgš¿x**

XvKv, 1 Avwk¦b (16 †m‡Þ¤^i) :

gwnjv I wkï welqK cÖwZgš¿x†g‡ni Avd‡ivR PzgwK e‡j‡Qb, e½eÜz wkï‡`i Lye ¸iæZ¡ w`‡Zb| wZwbB cÖ\_g wkï AvBb K‡iwQ‡jb| eZ©gvb miKvi wkï Dbœq‡b A‡bK eo cÖKí MÖnY K‡i‡Q| kxNªB wkï GKv‡Wgx AvBb msm‡` DÌvcb Kiv n‡e|

cÖwZgš¿x AvR ivRavbxi evsjv‡`k wkï GKv‡Wgx wgjbvqZ‡b Ò41 Zg †gŠmywg cÖwZ‡hvwMZv-2018Ó G weRqx wkï‡`i gv‡S cyi¯‹vi weZiY Abyôv‡b cÖavb AwZw\_i e³…Zvq Gme K\_v e‡jb|

†g‡ni Avd‡ivR PzgwK e‡jb, wkïiv ‡`‡ki eo m¤ú`| Zv‡`i‡K †`‡ki mybvMwiK wn‡m‡e M‡o Zzj‡Z n‡e| GKwU Av`k© I wkïevÜe cwi‡ek ‰Zরি Ki‡Z gwnjv I wkï welqK gš¿Yvjq Ges evsjv‡`k wkky GKv‡Wgx wbijmfv‡e KvR K‡i hv‡”Q| GKwU wkïI †hb Zvi AwaKvi †\_‡K ewÂZ bv nq G wel‡q mKj‡K m‡PZb n‡Z n‡e|

evsjv‡`k wkï GKv‡Wgxi †Pqvig¨vb K\_vmvwnwZ¨K †mwjbv †nv‡m‡bi mfvcwZ‡Z¡ Abyôv‡b e³e¨ iv‡Lb msm` m`m¨ Kwe KvRx †ivRx Ges gwnjv I wkï welqK mwPe bvwQgv †eMg GbwWwm|

#

Lv‡qi/‡mwjg/‡gvkvid/Rqbyj/2018/2130NÈv

Z\_¨weeiYx b¤^i : 2551

**µxovi gva¨‡g we‡k¦i mvg‡b evsjv‡`k‡K Zz‡j ai‡Z n‡e**

**--- µxov cÖwZgš¿x**

XvKv, 1 Avwk¦b (16 †m‡Þ¤^i) :

hye I µxov cÖwZgš¿x W. ex‡ib wkK`vi e‡j‡Qb, bvix cyiæl mevB wg‡j µxovi gva¨‡g Av‡iv †ewk K‡i we‡k¦i mvg‡b evsjv‡`k‡K Zz‡j ai‡Z n‡e| cÖwZgš¿x AvR ivRavbxi avbgwÛ‡Z myjZvbv Kvgvj gwnjv µxov Kg‡cø· gv‡V evsjv‡`k gwnjv µxov ms¯’v Av‡qvwRZ 3 w`be¨vcx ÔAvšÍtwefvMxq gwnjv n¨vÛej cÖwZ‡hvwMZv -2018Õ Gi D‡Øvab Abyôv‡b cÖavb AwZw\_i e³„Zvq Gme K\_v e‡jb|

µxov cÖwZgš¿x e‡jb, Ab¨vb¨ †ÿ‡Îi Ae`vb \_vK‡jI we‡k¦ †Ljvi gva¨‡gB evsjv‡`‡ki cwiwPwZ| m¤cÖwZ µxov½‡b †g‡q‡`i mvd‡j¨ Avgiv Mwe©Z| wZwb e‡jb, RvZxq ch©v‡q bZzb dzUej †L‡jvqvo ‰Zwi Ges dzUe‡ji RvMiY m„wói j‡ÿ¨ G eQi †\_‡K RvwZi wcZv e½eÜy †kL gywReyi ingvb RvZxq †Mvì Kvc (Ab~aŸ©-17) Uzb©v‡g‡›Ui Av‡qvRb Kiv n‡q‡Q| dzUe‡ji beRvMi‡Y Gev‡ii Av‡qvRb mviv‡`‡k e¨vcK mvov †d‡j‡Q| AvMvgx eQi †\_‡K †g‡q‡`i Rb¨ e½gvZv †Mvì Kvc dzUej Uzb©v‡g‡›Ui Av‡qvRb Kiv n‡e|

cÖwZgš¿x evsjv‡`k gwnjv µxov ms¯’vi D‡`¨v‡M †g‡q‡`i cÖwkÿY I cÖwZ‡hvwMZv Av‡qvR‡bi Rb¨ mswkøó mKj‡K Awfb›`b Rvbvb| †g‡q‡`i †Ljvi gvb Dbœq‡b µxov½‡b AvMvgx‡Z evsjv‡`k gwnjv µxov ms¯’v‡K cÖwkÿY Kvh©µg Pvwj‡q hvIqvi AvnŸvb Rvbvb|

D‡Øvab Abyôv‡b evsjv‡`k gwnjv µxov ms¯’vi mfv‡bÎx gvnveye Aviv †eMg wMwbi mfvcwZ‡Z¡ Ab¨v‡b¨i g‡a¨ msm` m`m¨ w`jviv †eMg Avmgv Ges evsjv‡`k gwnjv µxov ms¯’vi mvaviY m¤úvw`Kv nvwg`v †eMg mn ms¯’vi Kvh©wbe©vnx KwgwUi m¤§vwbZ m`m¨e„›` Ges RvZxq µxov cyi¯‹vicÖvß µxovwe`MY Dcw¯’Z wQ‡jb|

wZb w`be¨vcx cÖwZ‡hvwMZvq 8wU wefvM †\_‡K 14wU †Rjv ewikvj, mvZÿxiv, wK‡kviMÄ, SvjKvwV, gqgbwmsn, wm‡jU, iscyi, dwi`cyi, ivRkvnx, bIMvu, bovBj, iv½vgvwU, PÆMÖvg I Rvgvjcy‡ii †gvU 164 Rb †L‡jvqvo AskMÖnY Ki‡Q|

#

AvKZviæj/dvinvbv/mÄxe/Rqbyj/2018/1910NÈv

তথ্যবিবরণী                                               নম্বর : ২৫৫০

পুঁজিবাজার প্রশিক্ষণ একাডেমির জন্য পূর্বাচলে জমি দেওয়া হবে

                          -- গণপূর্ত মন্ত্রী

ঢাকা, ১ আশ্বিন (১৬ সেপ্টেম্বর) :

পুঁজিবাজার প্রশিক্ষণ একাডেমি স্থাপনের জন্য বাংলাদেশ সিকিউরিটি অ্যান্ড এক্সচেঞ্জ কমিশনকে (বিএসইসি) পূর্বাচলে দুইবিঘা জমি দেওয়া হবে। আজ আগারগাঁও বিএসইসি ভবনের মাল্টিপারপাস হলে বিএসইসি পরিবারের পুনর্মিলনী অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথির বক্তৃতায় গৃহায়ন ও গণপূর্ত মন্ত্রী ইঞ্জিনিয়ার মোশাররফ হোসেন এসব কথা বলেন। বিএসইসি’র ২৫ বছর পূর্তি উপলক্ষে ধারাবাহিক কর্মসূচির অংশ হিসেবে এ অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়।

মন্ত্রী বলেন, এ প্রশিক্ষণ একাডেমি স্থাপন করা হলে পুঁজিবাজারে দক্ষ বিনিয়োগকারীরা আসবে এবং বাজার আরো স্থিতিশীল হবে। একশ্রেণির বিনিয়োগকারীরা উদ্দেশ্যমূলকভাবে পুঁজিবাজারকে অস্থিতিশীল করে তোলে। এর মাধ্যমে পুঁজিবাজার থেকে তারা অর্থ হাতিয়ে নেয়। এতে অনেক বিনিয়োগকারী ক্ষতিগ্রস্ত হয়। অথচ সঠিকভাবে পুঁজিবাজারে বিনিয়োগকৃত অর্থ দিয়ে নতুন প্রতিষ্ঠান গড়ে তোলা সম্ভব।

গণপূর্তমন্ত্রী বলেন, বিএসইসি’র তৎপরতায় বর্তমানে পুঁজিবাজারে স্থিতিশীলতা ফিরে এসেছে। পুঁজিবাজার সম্পর্কে জনগণের মধ্যে যে বিরূপ মনোভাব সৃষ্টি হয়েছিল, তাও কাটিয়ে ওঠা সম্ভব হয়েছে। এ বিষয়ে বিএসইসি-কে আরো সজাগ থাকতে হবে এবং বাজার নিয়ন্ত্রণে কঠোর ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।

বিএসইসি’র চেয়ারম্যান ড. এম খায়রুল হোসেনের সভাপতিত্বে অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন কমিশনার      ড. স্বপন কুমার বালা ও খন্দকার কামালউজ্জামান।

#

কিবরিয়া/ফারহানা/রফিকুল/রেজাউল/২০১৮/১৮৩৮ ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী                                                                                                 নম্বর : ২৫৪৯

উচ্চ শিক্ষার ক্ষেত্রে দৃষ্টিভঙ্গির পরিবর্তন করতে হবে

                                       --- শিক্ষামন্ত্রী

ঢাকা, ১ আশ্বিন (১৬ সেপ্টেম্বর) :

শিক্ষামন্ত্রী নুরুল ইসলাম নাহিদ বলেছেন, সার্বিকভাবে উচ্চ শিক্ষার ক্ষেত্রে দৃষ্টিভঙ্গির পরিবর্তন করতে হবে। উচ্চশিক্ষার মূল উদ্দেশ্য হবে গবেষণা, জ্ঞানচর্চা, নতুন জ্ঞান অনুসন্ধান এবং নতুন জ্ঞান সৃষ্টি। বাস্তবে দেশের কাজে লাগে এবং দক্ষতা অর্জনের জন্য উচ্চশিক্ষা লাভ করতে হবে। শুধু বড় সার্টিফিকেটের জন্য উচ্চ শিক্ষা নয়। আমাদের সমস্যাগুলো নিজেদের আবিষ্কৃৃত জ্ঞান ও প্রযুক্তির মাধ্যমে সমাধান করতে হবে।

শিক্ষামন্ত্রী আজ রাজধানীর তেজগাঁওয়ে বাংলাদেশ টেক্সটাইল বিশ্ববিদ্যালয় অডিটোরিয়ামে বিশ্ববিদ্যালয়ের ‘হাফিজ উদ্দিন আহমেদ ও ফাতেমা আহমেদ ট্রাস্ট ফান্ড’ এর উদ্যোগে আয়োজিত স্মারক বক্তৃতা এবং  ‘প্রকৌশলী আব্দুল মতিন ট্রাস্ট ফান্ড ও এম এ সবুর ট্রাস্ট ফান্ড’-এর উদ্যোগে বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষার্থীদের মধ্যে শিক্ষাবৃত্তি প্রদান অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথির বক্তৃতায় এসব কথা বলেন।

বাংলাদেশ টেক্সটাইল বিশ্ববিদ্যালয়কে একটি বিশেষায়িত বিশ্ববিদ্যালয় উল্লেখ করে শিক্ষামন্ত্রী বলেন, এর শিক্ষার্থী সংখ্যা বর্তমানে ৩ হাজার ছাড়িয়ে গেছে। দেশের বস্ত্র, পোশাক ও ফ্যাশন শিল্পে এ বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষার্থীরা ভূমিকা রাখবে এবং এ খাতে দক্ষ জনবলের চাহিদা পূরণে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রাখবে। দেশের চাহিদা বিবেচনা করেই এ বিশ্ববিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা করা হয়। তিনি বলেন, ইতোপূর্বে কারিগরি শিক্ষা জনপ্রিয় ছিল না। এ ব্যাপারে বিশেষ উদ্যোগ গ্রহণ করা হয়েছে। বর্তমানে শতকরা ১৪ ভাগ শিক্ষার্থী কারিগরি শিক্ষা গ্রহণ করছে। নতুন প্রজন্মকে দক্ষতা দিয়ে গড়ে তুলতে হবে। দক্ষতা থাকলে দেশে বা বিদেশে তারা কাজ করতে পারবে।

স্মারক বক্তৃতায় ‘ভূমিধস রোধ, গ্রামীণ সড়ক নির্মাণ ও নদীর পাড় সংরক্ষণে জুট-জিও টেক্সটাইলের ব্যবহার’ শীর্ষক মূল প্রবন্ধ উপস্থাপন করেন বাংলাদেশ পাবলিক সার্ভিস কমিশনের সদস্য এবং বুয়েটের অধ্যাপক ড. আব্দুল জব্বার খাঁন।

বাংলাদেশ টেক্সটাইল বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাচার্য অধ্যাপক মাসউদ আহমদের সভাপতিত্বে অনুষ্ঠানে আরো বক্তব্য রাখেন বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষক সমিতির সভাপতি প্রফেসর ড. শাহ আলিমুজ্জামান, ইয়ার্ন ইঞ্জিনিয়ারিং বিভাগের প্রধান অধ্যাপক ড. হোসনে আরা বেগম, প্রকৌশলী আব্দুল মতিন ট্রাস্ট ফান্ডের চেয়ারম্যান প্রকৌশলী আব্দুল মতিন, ঢাকা বিশ্ববিদ্যালয়ের সাবেক অধ্যাপক রাশিদা আখতার খানম এবং টেক্সটাইল বিশ্ববিদ্যালয় ছাত্রলীগের সভাপতি নাজমুল আলম সাকিব।

এর আগে শিক্ষামন্ত্রী বঙ্গবন্ধুর ম্যুরাল সংবলিত বিশ্ববিদ্যালয় গেটের নির্মাণ কাজের উদ্বোধন করেন।

#

আফরাজুর/ফারহানা/সঞ্জীব/জয়নুল/২০১৮/১৮৩০ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী                                                                                           নম্বর : ২৫৪৮

শ্রমিক কল্যাণ ফাউন্ডেশনে বিএসআরএম এর লভ্যাংশ প্রদান

ঢাকা, ১ আশ্বিন (১৬ সেপ্টেম্বর) :

বিএসআরএম লিঃ প্রথমবারের মতো কোম্পানির গত এক বছরের লভ্যাংশের নির্দিষ্ট অংশ ২ কোটি ৩ লাখ ৫০ হাজার টাকা শ্রমিক কল্যাণ ফাউন্ডেশন তহবিলে প্রদান করেছে।

আজ মন্ত্রণালয়ে শ্রম ও কর্মসংস্থান প্রতিমন্ত্রী মোঃ মুজিবুল হক এর হাতে বিএসআরএম এর মানবিক সম্পদ বিভাগের প্রধান জামিল আহমেদ প্রতিষ্ঠানের পক্ষে চেক হস্তান্তর করেন।

          বাংলাদেশ শ্রমিক কল্যাণ ফাউন্ডেশন আইনের আলোকে রিরোলিং কোম্পানি বিএসআরএম লিঃ তাদের গত এক বছরের লাভের ৫ শতাংশের এক দশমাংশ মন্ত্রণালয়ের শ্রমিক কল্যাণ ফাউন্ডেশন তহবিলে জমা দিল।

এ পর্যন্ত দেশি বহুজাতিক ১১৮ টি কোম্পানি এ তহবিলে অনুদান প্রদান করেছে। এ তহবিলে আজ পর্যন্ত জমার পরিমাণ প্রায় ৩’শ বারো কোটি টাকা। এ তহবিল থেকে শ্রমিকদের কল্যাণে সহায়তা হিসেবে এ পর্যন্ত প্রায় সাড়ে ২৪ কোটি টাকা প্রদান করা হয়েছে।

#

আকতারুল/অনসূয়া/সুবর্ণা/শামীম/২০১৮/১৬০০ ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী                                                                                          নম্বর : ২৫৪৭

বাংলাদেশ বিশ্বমন্ডলে সফলতার মাইলফলক স্পর্শ করেছে

                                           -প্রতিমন্ত্রী রাঙ্গাঁ

গংগাচড়া, ১ আশ্বিন (১৬ সেপ্টেম্বর ) :

পল্লী উন্নয়ন ও সমবায় প্রতিমন্ত্রী মোঃ মসিউর রহমান রাঙ্গাঁ বলেছেন, প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনার দক্ষ ও পরিকল্পিত নেতৃত্বে বাংলাদেশ আজ বিশ্বের উন্নয়নের রোল মডেল। শিক্ষা, যোগাযোগ, অর্থনীতি, মানব উন্নয়ন ও সুশাসন বিশ্বমন্ডলে সফলতার এক মাইলফলক স্পর্শ করেছে।

রাঙ্গাঁ আজ রংপুর জেলার গংগাচড়া উপজেলা পরিষদ মিলনায়তনে প্রাথমিক শিক্ষা উন্নয়ন প্রকল্পের আওতায় বিভিন্ন সরকারি প্রাথমিক বিদ্যালয়ের নতুন ভবনের ভিত্তিপ্রস্তর স্থাপন এবং সীমানা প্রাচীর ও তোরণ উদ্বোধন অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথির বক্তৃতায় এসব কথা বলেন।

রাঙ্গাঁ বলেন, বর্তমান সরকার ধনী-দরিদ্র নির্বিশেষ সকলের জন্য মানসম্মত শিক্ষা সুযোগ সৃষ্টি ও শিক্ষার্থীদের ঝরে পড়া রোধকল্পে প্রাথমিক ও মাধ্যমিক পর্যায়ে বিভিন্ন শিক্ষা প্রতিষ্ঠানে বিনামূল্যে বই বিতরণ করছে। এটি বিশ^ ইতিহাসে এক বিরল ঘটনা। প্রধানমন্ত্রী শেখ হাসিনা বিগত সাড়ে ৯ বছরে শিক্ষাবান্ধব কর্মসূচি বাস্তবায়ন করে প্রমাণ করেছেন দেশের নারীরা সমাজের বোঝা নয়, তারা দক্ষ, সুশিক্ষিত ও প্রশিক্ষিত মানব সম্পদ। তিনি গংগাচড়া উপজেলা বিভিন্ন শিক্ষা প্রতিষ্ঠানে বর্তমান সরকারের উন্নয়ন চিত্র তুলে বলেন আগামী দিনে এলাকাবাসীর সার্বিক জীবনমান উন্নয়নে আরো নতুন নতুন প্রকল্প গ্রহণ করা হবে।

পরে রাঙ্গাঁ উপজেলা পরিষদ মাঠে বঙ্গবন্ধু গোল্ডকাপ ফুটবল টুর্ণামেন্ট, ২০১৮ অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথি হিসেবে যোগদান করেন।

#

আহসান/অনসূয়া/সুবর্ণা/শামীম/২০১৮/১৫২৭ ঘণ্টা

তথ্যবিবরণী                                                                                          নম্বর : ২৫৪৬

৬৪ জন প্রশাসনিক কর্মকর্তাকে সহকারী সচিব পদে পদোন্নতি

ঢাকা, ১ আশ্বিন (১৬ সেপ্টেম্বর ) :

সরকার ৬৪ জন প্রশাসনিক/ব্যক্তিগত কর্মকর্তাকে জাতীয় বেতনস্কেল, ২০১৫ অনুযায়ী ৯ম গ্রেডে (২২০০০- ৫৩০৬০) সহকারী সচিব (ক্যাডার বহির্ভূত) পদে পদোন্নতি প্রদান করেছে। বাংলাদেশ সরকারি কর্মকমিশনের সুপারিশের ভিত্তিতে তাদের পদোন্নতি প্রদান করা হয়।

জনপ্রশাসন মন্ত্রণালয় ১৩ সেপ্টেম্বর ২০১৮ এই সংক্রান্ত প্রজ্ঞাপন জারি করে। উপসচিব নাঈমা হোসেন স্বাক্ষরিত প্রজ্ঞাপনে জানানো হয় যে পদোন্নতিপ্রাপ্তদের জনপ্রশাসন মন্ত্রণালয়ের বিশেষ ভারপ্রাপ্ত কর্মকর্তা (সহকারী সচিব-ক্যাডার বহির্ভূত) পদে নিয়োগ প্রদান করা হয়েছে।

সংশ্লিষ্ট প্রজ্ঞাপনটি পেতে জনপ্রশাসন মন্ত্রণালয়ের ওয়েবসাইট  ভিজিট করতে অনুরোধ করা যাচ্ছে।

#

মাসুম/অনসূয়া/সুবর্ণা/শামীম/২০১৮/১৪৪৩  ঘণ্টা